

प्रेषक,

ओम प्रकाश,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त,  
ग्राम्य विकास,  
उत्तराखण्ड, पौड़ी

ग्राम्य विकास अनुभाग देहरादून दिनांक 15 दिसम्बर, 2009  
विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 में प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र देवरखडोरा, गोपेश्वर चमोली के आवासीय/ अनावासीय भवनों के निर्माण, सुदृढीकरण एवं अन्य विधिक कार्यों के निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया अपने पत्र संख्या: 2437/5-लेखा-3/प्र0प्र0के/आ0अना0भ0/2009-10 दिनांक 23-10-2009 के संदर्भ में शासनादेश संख्या: 507/XI/07 56(10)/2006 दिनांक 25-9-2007 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रसार प्रशिक्षण केन्द्रों के आवासीय/ अनावासीय भवनों का निर्माण की योजनान्तर्गत प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र देवरखडोरा, गोपेश्वर चमोली के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण, सुदृढीकरण एवं अन्य विधिक कार्यों के निर्माण की कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, गोपेश्वर, चमोली द्वारा गठित आगणन की अनुमोदित लागत रू0 346.20 लाख के सापेक्ष पूर्व स्वीकृत धनराशि रू0 30.28 लाख की धनराशि को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रू0 315.92 लाख के सापेक्ष रू0 50.00 लाख (रुपये पचास लाख मात्र) की धनराशि निम्नोक्त शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन नियमानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
2. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाये।
3. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
4. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये।



5. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
  6. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।
  7. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
  8. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जानी वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये।
  9. जी0पी0डब्लू0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
  10. मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
  11. निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एजेन्सी उत्तरदायी होगी।
  12. मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत धनराशि का उपभोग समयान्तर्गत दिनांक 31-3-2010 तक करते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं भौतिक एवं वित्तीय स्थिति निर्धारित प्रपत्र पर उपलब्ध कराते हुए अवशेष अप्रयुक्त धनराशि को समयान्तर्गत समर्पित करें।
- 3- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रमों पर पूँजीगत परिव्यय-102- सामुदायिक विकास- 04- प्रसार प्रशिक्षण केन्द्रों के आवासीय/ अनावासीय भवनों का निर्माण- 24- वृहत निर्माण कार्य की मद के नामें डाला जायेगा।
- 4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 296 (P)/XXVII-04/09 दिनांक 27 नवम्बर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)  
सचिव

संख्या: 1940(1)/XI/09 56(02)2006 तददिनॉक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, (लेखा परीक्षा) कार्यालय महालेखाकार, वैभव पैलेस, सी-1, / 105, इन्दिरा नगर, देहरादून।
- 2- महालेखाकार, (ए एण्ड ई), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर, रोड़, माजरा, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 4- जिलाधिकारी, चमोली।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, चमोली।
- 6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
- 7- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 8- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, मा० मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 9- निजी सचिव, मा० ग्राम्य विकास मंत्री, मा० मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 10- निजी सचिव मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
- 11- मुख्य विकास अधिकारी / जिला विकास अधिकारी, चमोली।
- 12- वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 13- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 14- नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 15- गार्ड फाईल

आज्ञा से,

(डॉ० पी०एस० गुसाईं)  
अपर सचिव।